

इकाई वि० कि० कारखंड में "नैनो टेक्नॉलॉजी - ^{अनुप्रयोग} ~~अवधारणा~~ व पुनर्निर्माण"
विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

राँची, 29 अक्टूबर 2013.

इकाई वि० कि० कारखंड के हरमू रोड अवस्थित फेकल्टी ऑफ़ लाइस एंड टेक्नॉलॉजी परिसर में आज अग्रणी प्रौद्योगिकी (नैनो टेक्नॉलॉजी) विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में अनेक शोधकर्ता, शिक्षाविद्, पेशेवर आदि ने नैनो टेक्नॉलॉजी की अवधारणा, अनुप्रयोगों, पुनर्निर्माण व माविषय के कार्यान्वयन के लिए संभावनाओं पर चर्चा की।

संगोष्ठी का मुख्य केंद्र बिंदु, मूलतः विज्ञान, आणविक जीव विज्ञान, अर्धचालक भौतिकी, सूक्ष्म निर्माण आदि के क्षेत्र में नैनो टेक्नॉलॉजी के अनुप्रयोगों को समझना था। संगोष्ठी के दौरान में नैनो टेक्नॉलॉजी के व्यापारिक मूल्य समझना व नैनो टेक्नॉलॉजी पेशेवरों के लिए करियर के अवसरों के बारे में चर्चा करना था।

प्रो० श्री आर एस राव (कुलपति) ने प्रमुख वक्ताओं, मेहमानों, तकनीकी स्तर के वक्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि आज नैनो टेक्नॉलॉजी प्रयोगशालाओं की अनुसंधान की वार कर उपभोक्ताओं व उद्योगजगत के लिए उपयोगी 1300 से अधिक वाणिज्यिक उत्पादों की पैदा किया है। नैनो टेक्नॉलॉजी विभिन्न प्रौद्योगिकी व उद्योगिक विभाग जैसे सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा, पर्यावरण विज्ञान, चिकित्सा, सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, सैन्य, अंतरिक्ष व परिवहन आदि क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए रखा है। इन विकास के संदर्भ में बहुत नवीन अनुप्रयोग जैसे नैनो बॅटरी जो कुछ सेकंड में बॅटरी चार्ज कर दे, सुपर कॅपेसिटर की तरह गणना करने वाले एलिट्रॉन, लचीले चारणक (वेतल) कॅपेसिटर, उपकरण, सनैलाइजिंग जो सेकंड में रोग का पता लगा सके, आज उपलब्ध है। "आज दुनिया व मानवता को न केवल शीमांचक व नवीन प्रौद्योगिकी की जगत है बल्कि एक जिम्मेदार विकास व प्रौद्योगिकी के नैनाती, जिससे दीर्घकालिक स्थिरता हो", प्रो० एन० ए०

इस अवसर पर मुख्य भाषण देते हुए प्रो० पाथिक कुंभकार (हेड, नैनो साइंस प्रयोगशाला) स्न आइ टी दुर्गापुर) ने नैनो टेक्नॉलॉजी के विभिन्न पहलुओं व आज के व्यवसायिक माहौल में महत्ता पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में डॉ० एके पांडेय, आइ एस एस (प्रधान सचिव व अकादमिक सचिव, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग, कारखंड सरकार) ने उपाध्यक्ष, प्रतिनिधियों तथा अन्य प्रातिभाषियों को प्रौद्योगिकी के प्रबुद्ध व अनुप्रयोगों की विस्तृत शृंखला के माध्यम से ज्ञान प्राप्त करने का सुझाव दिया। डॉ० पांडेय ने नैनो मैटेरियल व उसके विश्व स्तर पर पर्यावरणीय प्रभाव के बारे में चर्चा व्यक्त करते हुए नैनो पेशेवरों से समाधान की खोज के लिए अपील की।

श्री मनीज कुमर (एम डी, ज्योति सेलस) ने संगोष्ठी को गैर आऑऑ के रूप में संबोधित किया।

